



॥ ओ३म् ॥

युवा उद्घोष

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् (पंजीकृत) का पाक्षिक शंखनाद

Join—<http://www.facebook.com/groups/aryayouth/>

कार्यालय : आर्य समाज कबीर बस्ती, दिल्ली-110007, चलभाष : 9810117464, 9868051444

**विशाल आर्य युवक चरित्र निर्माण
व योग साधना शिविर**

शनिवार 4 जून 2022 से
रविवार 12 जून 2022 तक
स्थान-गुरुकुल कण्वाश्रम, कोटद्वार,
पौड़ी गढ़वाल उत्तराखण्ड
इच्छुक शिविरार्थी सम्पर्क करें—
अनिल आर्य-9810117464

वर्ष-38 अंक-21 चैत्र-2079 दयानन्दाब्द 199 01 अप्रैल से 15 अप्रैल 2022 (प्रथम अंक) कुल पृष्ठ 4 वार्षिक शुल्क 48 रु.
प्रकाशित: 01.04.2022, E-mail : yuva.udghosh1982@gmail.com aryayouthgroup@yahoo.com Website : www.aryayuvakparishad.com

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् द्वारा कोरोना काल में भी 379वां वेबिनार सम्पन्न

देहरादून तपोवन आश्रम में यज्ञ उत्सव सोल्लास सम्पन्न

युवाओं के चरित्र निर्माण से ही राष्ट्र निर्माण होगा –राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य
परोपकार की भावना से किया कार्य यज्ञ है –स्वामी चितेश्वरानंद जी



देहरादून, रविवार 13 मार्च 2022, वैदिक साधन आश्रम तपोवन नालापानी में गत 9 मार्च से चल रहे विश्व शान्ति यज्ञ का आज भव्य समापन हो गया। यज्ञ के ब्रह्मा स्वामी चितेश्वरानंद जी ने यज्ञ की व्याख्या करते हुए कहा कि परोपकार की भावना से किया गया कार्य यज्ञ है, हमें ईश्वर को स्मरण करते हुए दैनिक यज्ञ करना चाहिए। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् नई दिल्ली के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि युवा शक्ति किसी राष्ट्र की नींव है। युवाओं के चरित्र निर्माण से ही राष्ट्र मजबूत होगा। जिस राष्ट्र की नींव मजबूत होती है वह राष्ट्र अपराजेय रहता है। उन्होंने आगामी 5 जून से 12 जून 2022 तक विशाल आर्य युवक चरित्र निर्माण व योग साधना शिविर गुरुकुल कण्वाश्रम, कोटद्वार में आयोजित करने की घोषणा की। साथ ही राष्ट्रवादी शक्तियों को विजय बनाने पर हार्दिक शुभकामनाएं दीं। अनिल आर्य ने लोगों से आह्वान किया कि 'कश्मीर फाइल' पिकचर दल बल सहित अवश्य देखने जाये और वहाँ की दुर्दशा से परिचित होकर जागरूक हिन्दू बने। स्वामी योगेश्वरानंद जी ने भी राष्ट्र की वर्तमान परिस्थितियों पर प्रकाश डालते हुए हिन्दू समाज को एक जूट होने का आह्वान किया। कार्यक्रम का संचालन मंत्री प्रेम प्रकाश शर्मा ने किया व प्रधान विजय आर्य ने आभार व्यक्त किया। पिकी आर्या (दिल्ली) व प.रुबेल सिंह आर्य के मधुर भजन हुए। डॉ. वीरपाल विद्यालंकार, आचार्य सूर्यदेव शर्मा, नीलम शर्मा आदि ने भी अपने विचार रखे।

ऋषिकेश के आनन्द प्रकाश योग आश्रम में होली उत्सव सम्पन्न

यज्ञ परोपकार की भावना का संदेश देता है –आचार्य विश्वकेतु
होली प्यार व समानता का सन्देश वाहक –राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य



तपोवन ऋषिकेश, शुक्रवार 18 मार्च 2022, आनन्द प्रकाश योग आश्रम तपोवन, ऋषिकेश में होली पर्व सोल्लास मनाया गया। सभी ने अपने जीवन से बुराइयों को त्यागने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ यज्ञ के साथ हुआ, आचार्य विश्वकेतु जी योगाचार्य ने यज्ञ करवाया। आचार्य श्री ने कहा कि यज्ञ परोपकार की भावना का संदेश देता है। अग्नि स्वयं जलकर प्रकाश और उष्मा प्रदान करती है, साथ ही ऊपर उठती अग्नि सदैव ऊपर उठने यानी प्रगति करने का मार्ग प्रशस्त करती है, कहती है हे मनुष्य तू जीवन में निरंतर आगे बढ़ और सफलता प्राप्त कर। उन्होंने अपने जीवन से एक बुराई छोड़ने का आह्वान किया। यज्ञ में इटली, ऑस्ट्रेलिया, जर्मनी, अफ्रीका, अमेरिका, रूस के श्रद्धालुओं ने भी आहूति चढ़ाई। मुख्य अतिथि केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि भारत पर्वों का देश है जिसमें होली उल्लास और रंगों का त्योहार है जो जीवन में उल्लास प्रसन्नता प्रदान करता है। यह प्यार, सदभावना व सामाजिक समरसता का पर्व है जिसमें सभी मिलजुलकर रंग लगाते हैं और नृत्य भी करते हैं। यह समाज में भाई चारा बढ़ाने का कार्य करते हैं। उन्होंने गुरुकुल कण्वाश्रम कोटद्वार में 4 जून से 12 जून 2022 तक युवक चरित्र निर्माण व योग साधना शिविर का निमंत्रण भी दिया। इस अवसर पर दिल्ली से पधारी प्रवीन आर्या, रोबिन चटर्जी (मुम्बई), प्रकाशानि आदि के मधुर भजन हुए। प्रमुख रूप से मनु, सार्थ, आस्था आर्या, प्रमोद तिवारी, दीक्षा, प्रदीप रावत जी आदि उपस्थित थे।

‘125 वर्ष स्वस्थ कैसे जीये’ गोष्ठी सम्पन्न

सोमवार 28 मार्च 2022, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में ‘125 वर्ष स्वस्थ कैसे जीये’ विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया। यह कोरोना काल में 378 वां वेबिनार था। मुख्य वक्ता चौधरी मंगल सिंह ने कहा कि हम प्रकृति के निकट रहकर 125 वर्ष तक स्वस्थ जीवन जी सकते हैं। उन्होंने कहा कि जीवन तीन चीजों पर आधारित है सांस, पानी व भोजन। जब हम सांस की बात करते हैं तो हमारा ध्यान हमेशा, हमारे आस-पास के वातावरण, पेड़ पौधे आदि के बारे में जाता है और हम तुरन्त सोच लेते हैं कि आस पास पॉल्यूशन बहुत अधिक है—वगैरा वगैरा, इस लिए हम परेशान भी रहते हैं, मगर हम जिस की वजह से जिंदा हैं उस पर कभी ध्यान ही नहीं देते, मित्रों हमें जिंदा रहने के लिए सबसे ज्यादा जरूरी हैं सांस—बगैर सांस के जिंदा रहने की कल्पना भी नहीं कर सकते, जब तक सांस चल रही है तभी तक जीवन है, यदि सांस बन्द हो गई तो बस ————— लेकिन विडम्बना ये है कि हम आदतन सांस ही छोटा सा लेते हैं, बहुत कम सांस या कहें कि बहुत थोड़ी वायु अपने सांस लेने में इस्तेमाल करते हैं जिस की वजह से ‘प्राणवायु’ यानि कि ‘ऑक्सीजन’ बहुत ही कम मात्रा में हमारे शरीर को मिल पाती है, जो भी हम छोटा सा सांस लेते हैं उसमें ऑक्सीजन के अलावा और भी कई तरह की गैसों मिक्स होती हैं जिस से बहुत कम मात्रा में प्राण वायु—‘ऑक्सीजन’ हमारे शरीर को मिलती है, कम मात्रा में ‘ऑक्सीजन’ मिलने की वजह से हमारे शरीर में ‘नये सेल्स का सृजन’ होने की क्रिया बाधित होती रहती है, जिस प्रकार प्रकृति में हमेशा सृजन व विनाश का कार्य चलता रहता है जैसे कि आप पेड़ पौधों को भी देखते हैं कि हमेशा पौधा जब बड़ा होता है तो उसमें नये पत्ते—कलियां निकलती रहती हैं पुराने पत्ते सूख कर नीचे गिरते रहते हैं ठीक उसी तरह से हमारे शरीर में भी चौबीसों घण्टे ये बदलाव हमेशा चलता रहता है नये सेल्स का निर्माण होता रहता है और पुराने सेल्स नष्ट होते रहते हैं, मगर फर्क इतना है कि पेड़ पौधों के पत्ते सूख कर पेड़ों से अलग होकर नीचे गिर जाते हैं, जबकि हमारे शरीर में ये नष्ट होने वाले सेल्स टॉक्सिस के रूप में जमा होते रहते हैं, परमात्मा ने हमारे शरीर की संरचना बहुत ही सोच समझ कर की है, हमारे शरीर में सांस ग्रहण करने की मशीन ‘लंग्स’ को बहुत बड़ा व विस्तार से बनाया है जिससे कि हम बड़ा व लम्बा सांस ले सकें, मगर हम प्रायः उसका पूरा उपयोग ही नहीं करते, 40 वर्ष की आयु पार करने के बाद छोटा सांस लेने की आदत की वजह से या ये कहें कि हमारे द्वारा लंग्स से पूरा काम ना लेने की वजह से ये ‘लंग्स’ संकुचित होकर सिकुड़ना प्रारम्भ कर देते हैं, जिस से छोटे छोटे सांस लेने की वजह से हमारे शरीर को ‘प्राणवायु ऑक्सीजन’ प्राप्ति ना मिलने की वजह से नये सेल्स का बनना प्रायः बन्द सा हो जाता है, और पुराने सेल्स का नष्ट होते रहना जारी रहता है, असल में ‘बुढ़ापा’ आने या विभिन्न बीमारियों से ग्रस्त होने का कारण भी यही है हमारे शरीर को कम ऑक्सीजन मिलने के कारण हमारी सृजन शक्ति कम हो जाती है तथा शरीर की प्रतिरोधक क्षमता भी धीरे-धीरे नष्ट होने लगती है और यही नष्ट होते सेल्स टॉक्सिस के रूप में हमारे शरीर में इकट्ठा होते रहते हैं, ये टॉक्सिस बहुत कम मात्रा में हमारे शरीर से बाहर निकलते हैं जो कि कभी कभी कैंसर का रूप भी धारण कर लेते हैं, हमें स्वस्थ रहने के लिए, हमारे शरीर को अधिक ऑक्सीजन की जरूरत होती है, जो कि कुछ समय लम्बे सांस लेकर प्राकृतिक रूप से पूरी की जा सकती है, इसका प्रमाण हम देखते हैं कि जब हम जीवन व मृत्यु के अन्तिम पड़ाव पर होते, उस समय हमारे बच्चे या शुभ चिंतक हॉस्पिटल लेकर भागते हैं, और हॉस्पिटल में हमारी जगह आई सी यू में होती है, वहां पहुंचते ही डॉक्टर साहब हमारा जीवन बचाने के लिए सबसे पहले हमको ऑक्सीजन की सपोर्ट देते हैं, मगर विडम्बना यही है कि हम अपने जीवन में छोटा सांस लेने की वजह से जाने अनजाने स्वतः ही मृत्यु की तरफ अग्रसर होते रहते हैं। यदि हम प्रति दिन आधा घण्टा लम्बे सांस डीपब्रिथिंग लेने की आदत बना लें तो बहुत सारी बीमारियों से छुटकारा पा सकते हैं, कैंसर जैसी खतरनाक बीमारी भी डीपब्रिथिंग से ठीक जो सकती है, साथियों आज से ही हम इस प्रक्रिया को प्रारम्भ करें, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कुशल संचालन करते हुए इन बातों को अपनाने पर जोर दिया। वही मुख्य अतिथि डॉ. चंद्र केतु (निदेशक, आयुध) व अध्यक्ष डॉ. गजराज सिंह आर्य ने भी जीवन वेदों के अनुसार जीने पर बल दिया। राष्ट्रीय मंत्री प्रवीण आर्य ने ध्यान व योग को लागू करने का आह्वान किया।



379 वें वेबिनार में पौष्टिकता पर चर्चा

बुधवार 30 मार्च 2022, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में खेत से थाली तक गायब होते पौष्टिक तत्व विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया। यह कोरोना काल में 379 वां वेबिनार था। मुख्य वक्ता प्रो. करुणा चांदना ने कहा कि आज के युग में खेत से फसल के रूप में जब खाना थाली तक पहुंचता है तब तक उसमें बहुत से पौष्टिक तत्व गायब हो चुके होते हैं यह खाना पेट तो भर रहा है लेकिन पौष्टिकता प्रदान नहीं कर रहा। पिछले 30 वर्षों में खाने की पौष्टिकता कितनी कम हुई है इसके लिए हमने राष्ट्रीय पोषण संस्थान के फूड कंपोजिशन टेबल से 30 वर्ष पहले की पौष्टिकता और अब की पौष्टिकता की तुलना की तथा पाया कि अनाजों फल सब्जियां दाल में से बहुत सारा प्रोटीन कार्बोहाइड्रेट आयरन जिंक तथा दूसरे विटामिंस कम हो गए हैं इसके साथ साथ भोजन की ताकत भी कम होती जा रही है लगता है कि बड़े बुजुर्गों की कथनी कि अब की थाली में वह स्वाद और शुद्धता खत्म हो गई है। इसके कई कारण हैं जैसे पेस्टिसाइड्स फर्टिलाइजर्स का प्रयोग, मोनोक्रॉपिंग यानी एक ही फसल को बार-बार मिट्टी में उगाना हाइब्रिड फार्मिंग (चमकते हुए सेब नाशपाती मटर टमाटर) डीएपी डीएपी तथा यूरिया से भरे होते हैं। इसके साथ साथ ऑक्सीटॉसिन इंजेक्शन, फल सब्जियों को मसाले से पकाने से निश्चित रूप से हमारी थाली पौष्टिक तत्वों की जगह केमिकल कॉकटेल से भर्ती जा रही है। समय रहते अगर इसका इलाज ना किया गया तो हमारी थाली जहर से भर जाएगी तो सबसे पहले जैविक खेती गोबर से डी कंपोस्टिंग, सॉइल टेस्टिंग अनिवार्य है ताकि हमें पता लग जाए की इस मिट्टी में कौन सी फसल अधिक से अधिक पौष्टिकता देगी। यह सब सुनकर आप चिंतित ना होएं ऊपर लिखे सुझावों का तथा खाने को पौष्टिक बनाने के लिए अंकुरण खमीरी करण मिला मिला जुला कर बनाएं। थाली में सारे खाद्य वर्गों से खाद्य पदार्थ चुनते हुए, अपनी थाली को सतरंगी बनाएं तथा अपनी जीवनशैली को सुधारे खाने में ताजी फल सब्जियों का इस्तेमाल सलाद जंक फूड की जगह भोजन का स्वस्थ चुनाव करें तो बहुत हद तक इस थाली को सुरक्षित रंगीन स्वादिष्ट तथा पौष्टिकता से भर सकते हैं। मुख्य अतिथि आर्य नेत्री राजश्री यादव व अध्यक्ष कुसुम भंडारी ने सात्विक आहार अपनाने पर बल दिया। परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कुशल संचालन करते हुए जंक फूड से परहेज की सलाह दी। राष्ट्रीय मंत्री प्रवीण आर्य ने कहा कि कीटनाशक दवाओं ने जीवन दुष्पार कर दिया है।



92वीं पुण्यतिथि पर श्यामजी कृष्ण वर्मा को श्रद्धांजलि

बुधवार 30 मार्च 2022, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में सुप्रसिद्ध क्रांतिकारी श्यामजी कृष्ण वर्मा को ऑनलाइन गोष्ठी द्वारा श्रद्धांजलि अर्पित की गई। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि महान देशभक्त श्यामजी कृष्ण वर्मा महर्षि दयानंद व लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक से प्रभावित रहे और वीर सावरकर व मदनलाल दींगरा वर्मा जी प्रेरणा लेते थे। 30 मार्च 1930 को स्वित्जरलैंड जिनेवा में आपका निधन हो गया था। उन्होंने कहा कि लंदन जाकर इंडिया हाउस की स्थापना करना व नोजवानो को क्रांतिकारी गतिविधियों से जोड़ना उनका अदभुत कार्य था। प. श्यामजी कृष्ण वर्मा क्रांतिकारी गतिविधियों के माध्यम से भारत की आजादी के संकल्प को गतिशील करने वाले अध्यक्षीय एवं कई क्रांतिकारियों के प्रेरणास्रोत थे। वे पहले भारतीय थे, जिन्हें ऑक्सफोर्ड से एम०ए० और बार-एट-ला की उपाधियाँ मिली थीं। राष्ट्रीय मंत्री प्रवीण आर्य ने कहा कि वह मात्र बीस वर्ष की आयु से ही वे क्रांतिकारी गतिविधियों में हिस्सा लेने लगे थे। वे स्वामी दयानंद सरस्वती से प्रेरित थे। उनके जन्म स्थान मांडवी—कच्छ में गुजरात सरकार द्वारा विकसित श्रीश्यामजी कृष्ण वर्मा मेमोरियल को गुजरात के मुख्यमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 13 दिसम्बर 2010 को राष्ट्र को समर्पित किया गया था। ऐसे क्रांतिकारियों के तप, त्याग व बलिदान से हम खुलकर सांस ले पा रहे हैं। गायक रवींद्र गुप्ता, दीप्ति सपरा, रजनी गर्ग, प्रवीणा ठक्कर, रजनी चुघ, डॉ. रचना चावला, पिकी आर्या, कुसुम भंडारी, प्रतिभा कटारिया के गीत हुए।



‘शहीदों के स्वपनों का भारत’ पर गोष्ठी सम्पन्न

अपनी संस्कृति से जुड़ना ही सच्ची श्रद्धांजलि –नरेंद्र आहुजा विवेक

महर्षि दयानंद क्रांतिकारियों के प्रेरणा स्रोत रहे –आचार्य अखिलेश्वर भारद्वाज

सोमवार 21 मार्च 2022, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में 91वें बलिदान दिवस पर ‘शहीदों के स्वपनों का भारत’ विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया आज कोरोना काल 22 मार्च 2020 की दूसरी वर्षगांठ पर परिषद ने 375 वेबिनार पूरे कर लिए। मुख्य वक्ता नरेंद्र आहुजा विवेक (पूर्व राज्य ओषधिनियंत्रक हरियाणा) ने कहा कि अपनी जड़ों से जुड़ना ही शहीदों को सच्ची श्रद्धांजलि है बिना अपनी संस्कृति की रक्षा के कोई राष्ट्र आगे नहीं बढ़ सकता। उन्होंने कहा कि क्रांतिकारियों के बलिदान दिवस मनाने के लिए हमें राष्ट्र के स्वाधीनता संग्राम में अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले क्रांतिकारियों के सपनों का राष्ट्र बनाने का संकल्प लेना चाहिए। इस संकल्प को हम सही ढंग से पूर्ण कर पाएं इसके लिए राष्ट्र और स्वाधीनता के सही अर्थ को समझना होगा। हमारा राष्ट्र वेदों में परिभाषित किया गया है और ऋग्वेद के दशम मण्डल के मन्त्र में राष्ट्र को ऋषियों की ऋतम्भरा प्रतिभा की खोज बताया गया है जो यज्ञों के फल को जन जन तक पहुंचाने वाली है। स्वाधीनता का अर्थ हम स्वयं अपने लिए अपने द्वारा बनाए गए नियमों के संविधान के अंतर्गत रहें। कोई पेड़ कितना भी बड़ा पुराना वट वृक्ष क्यों ना हो जब अपनी संस्कृति की जड़ों से कट जाता है तो खाद पानी ना मिलने के कारण बाह्य हवा के झोंकों से टूट बनकर गिर पड़ता है। इसलिए हमें शहीदों के सपनों का राष्ट्र बनाने के लिए अपनी पुरातन सनातन वैदिक संस्कृति की जड़ों से जुड़े रहना होगा। वैदिक विद्वान आचार्य अखिलेश्वर जी (आनंदधाम आश्रम, हरिद्वार) ने कहा कि महर्षि दयानंद क्रांतिकारियों के सिरमौर थे उनसे प्रेरणा लेकर अनेको नोजवान आजादी की लड़ाई में कूद पड़े। अध्यक्ष डॉ. जयदीप आर्य (केन्द्रीय प्रभारी, पतंजलि योगपीठ हरिद्वार) ने कहा कि अभी आजादी अधूरी है शहीदों के स्वपनों का भारत बनाने के लिए अभी बहुत काम करने की आवश्यकता है। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि जब तक समाज में भ्रष्टाचार, पाखंड, अंधविश्वास, असमानता है तब तक शहीदों के स्वपनों का भारत नहीं है। राष्ट्रीय मंत्री प्रवीण आर्य ने शहीदों को पाठ्यक्रम में यथोचित स्थान देने की मांग उठाई। गायक रविन्द्र गुप्ता, दीप्ति सपरा, रजनी गर्ग, ईश्वर देवी, आशा आर्या, रेखा गौतम, प्रतिभा कटारिया, प्रवीणा ठक्कर, अंजु आहुजा आदि के मधुर भजन हुए।

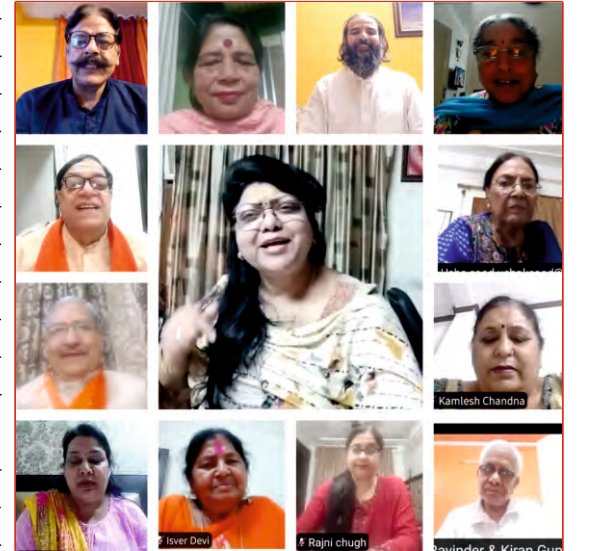


‘होली का वैदिक स्वरूप’ पर गोष्ठी सम्पन्न

होली स्वस्थ रखने का अचूक पर्व है –विमलेश बंसल दर्शनाचार्य

होली सामाजिक समरसता का संदेश देता है –अनिल आर्य

शुक्रवार 18 मार्च 2022, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में ‘होली का वैदिक स्वरूप’ पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया। यह कोरोना काल में 374 वां वेबिनार था। मुख्य वक्ता दर्शनाचार्य विमलेश बंसल ने होली का वैदिक स्वरूप बतलाते हुए कहा की होली नाम संस्कृत के होलक से होला और होला से होली इस तरह बना है जो जन सामान्य की बोली बन गया है जबकि वैदिक नाम नवसस्येष्टि यज्ञ है। यह पर्व सदियों पुराना और हमारे पूर्वजों की दूरदर्शिता का परिचायक है क्योंकि इस पर्व के द्वारा बदलते मौसम में निरोगी रहने का अचूक उपाय सुझाया है इसलिए इस पर्व पर रात्रि को गांव के बाहर विशाल सामूहिक अग्निहोत्र से कीटों का शमन, जौ की बाली अग्नि में भूनकर वर्षा दूर करना ताकि पकी हुई फसल नष्ट ना हो और अगले दिन शरीर पर यज्ञ की मर्दन, टेसू के फूलों के जल से नहाना आदि इस पर्व का मुख्य उद्देश्य है। लेकिन वर्तमान में देखकर लगता है की हम अपनी पुरातन संस्कृति भूल रहे हैं, शराब भांग नशा हो या मांस विक्रेताओं के यहाँ लगी भीड़ वा होलिका दहन में गौ के गोबर से बनी गूलरियों, हवन सामग्री के साथ यज्ञ करने के बजाय कूड़ा करकट और गंदी लकड़ियों के ढेर में आग लगाकर पूजना यह सब विकृतियां आज चारों ओर दिखाई पड़ रही हैं। होली के नाम पर अश्लील गीत व फूहड़ता चारों ओर देखने मिल रही है, आवश्यकता है पंच महा यज्ञों को वृहद् व सामूहिक स्तर पर धूमधाम से कर संगठन को मजबूत बना संस्कृति पर गर्व करने की। उन्होंने कहा कि विचार, वाणी, व्यवहार, वित्त नवान्न से वातावरण को शुद्ध करने की, यज्ञ में प्रसाद लगा सबको प्रेमपूर्वक वितरण की, पर्व वह पौर है जिसमें सर्व सुरक्षा हो, सबको प्रसन्नता हो, लोग प्रकृति में हुए परिवर्तन को समझ स्वास्थ्य लाभ लें सब निरोग करने हों। वस्तुतः होली का यह पर्व सामाजिक समरसता का संदेश देने आता है और नवसम्बत्सर मनाने के लिए मंगलकामनाएं भी दी। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने होली की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हमें पवित्रता से पर्व मनाना चाहिए, यह आपसी भाई चारे व सामाजिक समरसता का पर्व है। मुख्य अतिथि आर्य नेत्री सरला वर्मा, अध्यक्ष विमला आहुजा, आचार्य विश्व केतु जी (ऋषिकेश), प्रांतीय महामंत्री प्रवीण आर्य ने भी अपने विचार रखते हुए वैदिक संस्कृति को आत्मसात करने का आह्वान किया। गायक रविन्द्र गुप्ता, प्रवीणा ठक्कर, सरला बजाज, चंद्रकांता आर्या, ईश्वर देवी, उषा सूद, रजनी गर्ग, रजनी चुघ, कमलेश चांदना, जनक अरोड़ा, प्रतिभा कटारिया आदि के मधुर भजन हुए।

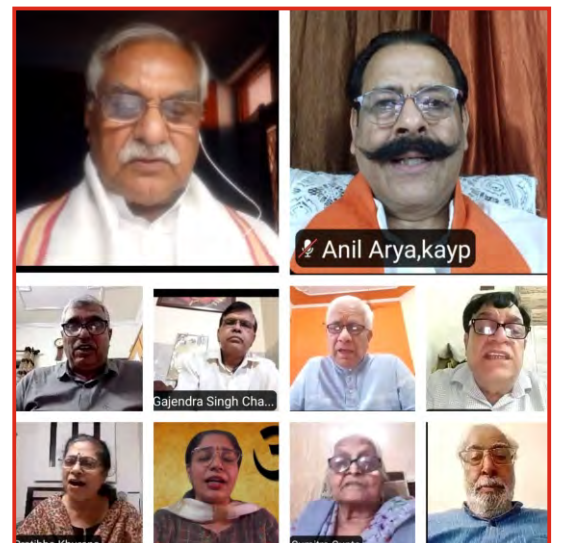


‘राष्ट्र की कल्पना व चुनौतियाँ’ पर गोष्ठी सम्पन्न

राष्ट्र के प्रति श्रद्धा भाव रखना ही राष्ट्रीयता है –आर्य रविदेव गुप्ता

आर्य समाज राष्ट्र भक्त तैयार करता है –अनिल आर्य

शुक्रवार 25 मार्च 2022, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में ‘राष्ट्र की कल्पना व चुनौतियाँ’ विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया। यह कोरोना काल में 377 वां वेबिनार था। वैदिक विद्वान आर्य रविदेव गुप्ता ने कहा कि राष्ट्र यानी अपनी मातृ भूमि के लिए श्रद्धा भाव रखना ही राष्ट्रीयता है। यहां रहकर, खा पीकर निंदा करना, विदेशी गुणगान करना देशद्रोह है आज उन्हें ही ठीक करना चुनौती का कार्य हो गया है। राष्ट्र प्राचीन संस्कृति, पूर्वजों की परंपरा अनुसार निश्चित होता है यह देश की आत्मा है। किसी भी राष्ट्र के लिए राष्ट्र द्रोहियों को कुचलना, सामान व्यवहार करना व तुष्टिकरण न करना ही हितकारी है। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि देश में विभिन्न स्थानों पर उभरते राष्ट्र विरोधी स्वर चिन्ताजनक है आर्य समाज नई पीढ़ी में देशभक्ति की भावना भरने का काम करेगा। राष्ट्रीय मंत्री प्रवीण आर्य ने कहा कि आर्य समाज राष्ट्र वाद का समर्थक है। मुख्य अतिथि रविन्द्र आर्य व अध्यक्ष गजेन्द्र सिंह चौहान ने भी देश प्रेम पर जोर दिया कि देश के प्रति व्यक्ति को निष्ठावान रहना चाहिए। गायक नरेंद्र आर्य सुमन, रविन्द्र गुप्ता, प्रवीणा ठक्कर, दीप्ति सपरा, रजनी गर्ग, जनक अरोड़ा, प्रतिभा कटारिया, प्रतिभा खुराना, कमला हंस, राजश्री यादव, रेखा गौतम, सुमित्रा गुप्ता, अनुश्री खरबंदा आदि के मधुर भजन हुए। गाजियाबाद के समाजसेवी विनोद कुमार बवेजा (प्रवीण आर्य के छोटे भाई) के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया गया।



जन्तर-मन्तर पर शहीद भगतसिंह, राजगुरु, सुखदेव को किया नमन

कश्मीर नरसंहार के दोषियों को कठोरतम दण्ड दो –राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

शहीदों के कीर्ति स्तम्भ प्रमुख स्थानों पर स्थापित किये जाये –विमलेश बंसल



बुधवार, 23 मार्च 2022, आज केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् दिल्ली की ओर से नई दिल्ली के जन्तर मन्तर पर अमर शहीद भगतसिंह, राजगुरु, सुखदेव के 91 वें बलिदान दिवस पर "राष्ट्र रक्षा यज्ञ" करके "आतंकवाद विरोधी दिवस" राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य के नेतृत्व में मनाया गया। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि कश्मीर नरसंहार व हिन्दुओं का विस्थापन भारतीय इतिहास की दुर्भाग्यपूर्ण घटना थी, इसके लिये दोषियों को कठोरतम सजा दी जाये व कश्मीरी हिन्दुओं का सुरक्षित वातावरण में पुर्नवास सुनिश्चित किया जाये। उन्होंने कहा कि राष्ट्र विरोधियों के विरुद्ध कठोर से कठोर कार्यवाही की जाये। आर्य नेत्री विमलेश बंसल दर्शनार्थ ने "राष्ट्र रक्षा यज्ञ" करवाया व उन्होंने देश के प्रमुख स्थानों पर शहीदों के स्मारक व कीर्ति स्तम्भ स्थापित करने की मांग की। परिषद् के महामन्त्री महेन्द्र भाई ने देश के स्वतन्त्रता सेनानियों, बलिदानियों का इतिहास/जीवन चरित्र पाठ्यपुस्तकों के माध्यम से नई पीढ़ी को पढ़ाया जाने का आहवान किया जिससे वह "देश भक्त नागरिक" तैयार हो सके। कार्यक्रम अध्यक्ष डा.(कर्नल) विपिन खेड़ा ने कहा कि भारत की जेलों में बन्द आतंकवादियों से किसी भी प्रकार की कोई सहानभूति न रखी जाये तथा उन्हें अविलम्ब फांसी दी जाये। राष्ट्रीय मन्त्री प्रवीण आर्य ने कहा कि आतंकवादियों व उनके संरक्षकों को सार्वजनिक स्थान पर फांसी दी जाये, देशद्रोही के साथ दया का कोई स्थान नहीं होना चाहिये। आर्य नेत्री प्रवीण आर्या पिकी, नरेन्द्र आर्य सुमन, कै. अशोक गुलाटी, रजनी गर्ग, कुसुम भण्डारी आदि ने देश भक्ति पूर्ण गीत सुनाये। आर्य नेता मकेंद्र कुमार (फरीदाबाद), रामकुमार सिंह, अरुण आर्य, वेदप्रकाश आर्य, गजेन्द्र चौहान, जीवनलाल आर्य, राजकुमार भण्डारी, सुन्दर शास्त्री, भोपालसिंह आर्य, के.एल.राणा, माधवसिंह, शिवम मिश्रा, देवन्द्र तनेजा, श्रुति सेतिया, रामकृष्ण शास्त्री, विजय सवरवाल, विनीत आहूजा, जुगल किशोर, के.के. यादव, आदि ने भी अपने विचार रखे व शहीदों को अपनी श्रद्धाजलि अर्पित की। प्रधानमन्त्री व केन्द्रीय गृहमन्त्री के नाम ज्ञापन भी दिया गया।

'भगवा त्याग और बलिदान का प्रतीक' पर गोष्ठी सम्पन्न

भगवा केवल रंग नहीं अपितु त्याग का प्रतीक है—राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

बुधवार 16 मार्च 2022, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के तत्वावधान में 'भगवा त्याग और बलिदान का प्रतीक' विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया। यह कोरोना काल में 372 वां वेबिनार था। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि भगवा केवल रंग ही नहीं अपितु जीवन के सर्वस्व समर्पण का नाम है। व्यक्ति जब समाज के लिए पूर्णयता समर्पित हो जाता है तभी वह भगवा वस्त्र पहनने का अधिकारी बनता है। पहले ब्रह्मचर्य, ग्रहस्थ, वानप्रस्थ फिर पूरा पकने के बाद ही संन्यास के योग्य कहलाता है। कुछ लोग भगवे करण की बात करते हैं भगवा तो भारतीय संस्कृति की आत्मा है। योगीराज विश्वपाल जयन्त आधुनिक भीम (संस्थापक, गुरुकुल कण्वाश्रम कोटद्वार) ने कहा कि प्रातः सूर्य उदय और सायं अस्त होते समय आकाश भी भगवे की लालिमा में नहाये होते हैं और सर्वत्र लालिमा छोड़ रहे होते हैं। यह रंग पूरे देश के लिए अच्छा है, योगी आदित्य नाथ जी ने अपने त्याग, साधना और मेहनत से उत्तर प्रदेश में भगवा लहरा दिया, उत्तरा खण्ड में भी भगवा लहरा गया, भगवा पहनकर वैराग्य की ओर, शांति की ओर, ले चलने वाला है, यह देश ही नहीं पूरे विश्व में इसका प्रभाव है। मुख्य अतिथि कृष्ण कुमार यादव जी ने भगवे की चर्चा त्याग, तपस्या व बलिदान से की। भगवे वस्त्र को संयम और आत्मनियंत्रण का प्रतीक माना जाता है। यह उन संयासियों का रंग है जिन्होंने तप से खुद को तपाया है। शिवाजी, राम, कृष्ण, अर्जुन के रथ का ध्वज भी भगवा था। राष्ट्रीय मन्त्री प्रवीण आर्य ने बताया कि केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के तत्वावधान में विशाल योग साधना शिविर 4 जून से 12 जून 2022 तक गुरुकुल कण्वाश्रम कोटद्वार पोडीगढ़वाल में आयोजित किया जाएगा। उन्होंने सभीसे 'कश्मीर टाइम्स' पिव्चर अधिक से अधिक संख्या में देखने की अपील की। गायिका प्रवीणा ठक्कर, पिकी आर्या, रचना वर्मा, रजनी चुघ, आशा ढींगरा, वेदिका आर्या, आशा आर्या, ईश्वर देवी, कमला हंस, रविन्द्र गुप्ता, किरण सहगल, राजश्री यादव, रजनी गर्ग, मर्दुल अग्रवाल, कुसुम भण्डारी आदि के मधुर भजन हुए।



आर्य नेता प्रवीण आर्य को भ्रातृ शोक

विनोद बवेजा जी का जीवन समाज को समर्पित था—अनिल आर्य

रविवार 27 मार्च 2022, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के उ.प्र. प्रान्तीय महामन्त्री प्रवीण आर्य के अनुज भ्राता विनोद कुमार बवेजा का 57 वर्ष की आयु में दिल्ली के लोकनायक जयप्रकाश नारायण अस्पताल में निधन हो गया। श्रद्धांजलि सभा हनुमान मंदिर घंटाघर, गाजियाबाद में सम्पन्न हुई। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि विनोद बवेजा का जीवन समाज को समर्पित रहा, उनके सुपुत्र हर्ष बवेजा भी परिषद् के सोशल मीडिया प्रभारी हैं। आपके असमय चले जाने से परिवार व समाज की गहरी क्षति हुई है। आर्य केन्द्रीय सभा महानगर गाजियाबाद के अध्यक्ष सत्यवीर चौधरी, स्वदेशी आयुर्वेद, हरिद्वार के निदेशक डॉ. आर के आर्य, चौधरी मंगलसिंह (महामन्त्री सेवा सदन), आर्य नेता प्रमोद चौधरी, सुरेश आर्य, के के यादव, यज्ञवीर चौहान, ओम सपरा (पूर्व मेट्रो पोलेटन मैजिस्ट्रेट), जितेंद्र आर्य, प्रणवीर आर्य, रमेश छाबड़ा आदि ने भी अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। आचार्य कमल देव शास्त्री ने जीवन और मृत्यु पर सारगर्भित उपदेश दिया। माता संतोष चावला, जुगल किशोर छाबड़ा, नरेशप्रसाद आर्य आदि के भजन हुए। अंत में प्रवीण आर्य ने एक भजन प्रस्तुत करते हुए सभी का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर मुख्य रूप से सर्वश्री राकेश बवेजा, केके अरोड़ा, मनमोहन वोहरा, डीएन शर्मा, रमेश बवेजा, सीता राम बवेजा, विजय गुलाटी, पवन अरोड़ा, विजय ढींगड़ा, अतुल भूषण, नरेन्द्र पांचाल, प्रवीण बत्रा, लक्की छाबड़ा, अशोक गोयल, अजय कालड़ा, सुभाष दिनेश शर्मा पंडित दिनेश, श्रीमती मीना छाबड़ा, ममता बवेजा आदि मौजूद रहे।